श्रावण मास, कृष्ण पक्ष 1 वर्ष, अंक 55, पृष्ठ 4, मूल्य 1.00

अखण्ड भारत सन्देश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज बुधवार, 30 सितम्बर, 2020

विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान की एक अनुपम भेंट

योगी सरकार का बड़ा फैसला, पोषाहार के लिए नहीं होंगे टेंडर, महिलाएं बनाएंगी व बांटेंगी

उत्तर प्रदेश सरकार ने आंगनबाड़ी केंद्रों में वितरित होने वाले पोषाहार में लिया है बड़ा फैसला

लखनऊ, जेएनएन। उत्तर प्रदेश सरकार ने आंगनबाड़ी केंद्रों में वितरित होने वाले पोषाहार में बड़ा फैसला लिया है। अब सभी 75 जिलों में पोषाहार का उत्पादन और वितरण स्वयं सहायता समूह की महिलाएं करेंगी। स्थानीय स्तर पर रोजगार को बढ़ावा देने के लिए योगी सरकार ने पोषाहार उत्पादन व वितरण के लिए टेंडर न करने का फैसला किया है। आंगनबाड़ी केंद्रों के लिए हर साल पोषाहार की करीब चार हजार करोड़ रुपये की खरीद होती है। अब यह काम उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से स्वयं समहायता समूहों की महिलाओं को दिया जाएगा।

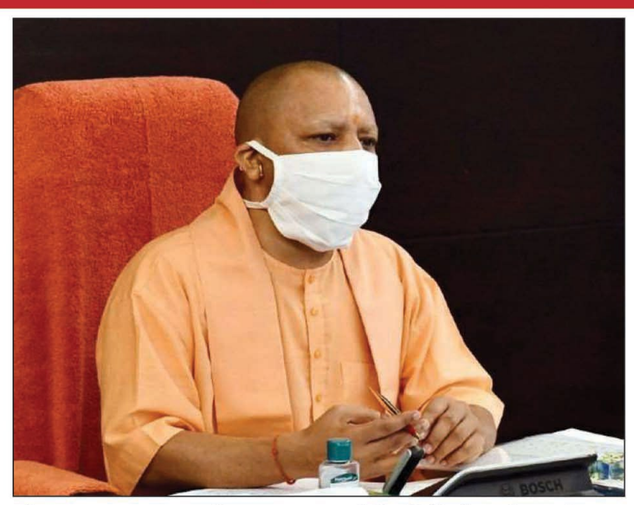

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई कैबिनेट की बैठक में इस महत्वपूर्ण प्रस्ताव पर मुहर लग गई। प्रदेश सरकार ने पहले केवल 18 जिलों में स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को पुष्टाहार उत्पादन व वितरण का काम दिया था। बाकी जिलों के लिए टेंडर आमंत्रित किए गए थे। टेंडर में बहुत कम कंपनियों ने हिस्सा लिया। इस कारण पोषाहार की दरें काफी अधिक आईं। सरकार ने पोषाहार की दरों को देखते हुए अब यह काम सभी जिलों में प्रदेश की स्थानीय स्तर की महिलाओं के समूहों को सौंप दिया है। आजीविका मिशन की 23 हजार महिला स्वयं सहायता समूह प्रदेश भर के आंगनबाड़ी केंद्रों में पोषाहार का उत्पादन कर वितरण करेंगे। सरकार के इस फैसले से उन बड़े कारोबारियों को धक्का लगा है जो हजारों करोड़ रुपये के पोषाहार उत्पादन व वितरण में वर्षों से लगे थे। आए दिन पोषाहार वितरण में घपले व घोटाले की भी शिकायतें मिलती रहती थीं।सरकार के नए फैसले से स्थानीय स्तर पर महिलाएं उद्यमी बनेंगी और उन्हें स्थायी रोजगार मिल सकेगा।

दो साल बंटेगा कच्चा राशन : उत्तर प्रदेश के सभी जिलों की आंगनबाड़ी केंद्रों में पोषाहार उत्पादन व वितरण के काम में महिला स्वयं सहायता समूहों को दो साल लग जाएंगे। ऐसे में शुरूआती दो साल आंगनबाड़ी केंद्रों की महिलाओं को कच्चा राशन गेहूं, दाल, चावल, घी व मिल्क पाउडर दिया जाएगा। गेहूं व चावल सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से लिया जाएगगा जबकि दाल की खरीद स्वयं सहायता समूह स्थानीय स्तर पर खुद करेंगी। देसी घी व मिल्क पाउडर की सप्लाई प्रादेशिक कोआपरेटिव डेयरी फेडरेशन (पीसीडीएफ) करेगा। इसके लिए इन दोनों से बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग का समझौता हो गया है। स्वयं सहायता समूह की महिलाएं प्रत्येक लाभार्थी को देने के लिए राशन, घी व दूध पाउडर का वजन करके अलग-अलग पैकिंग करेंगी। राशन का वितरण महीने में एक या दो दिन पारदर्शी तरीके से जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में होगा। दो साल में चरणबद्ध तरीके से पूरे प्रदेश में महिला स्वयं सहायता समूह पोषाहार का उत्पादन कर वितरण करेगा।

रेसिपी बुक का भी होगा वितरण : उत्तर प्रदेश सरकार कच्चा राशन के साथ ही रेसिपी बुक भी वितरित करेगी। इसमें पोषक व्यंजन बनाने की विधियां दी जाएंगी। महिलाएं अपने घरों में साफ-सुथरे तरीके से पोषाहार कैसे तैयार करें इसका प्रशिक्षण भी दिया जाएगा।

छत्तीसगढ़: गरियाबंद जिले में करंट लगने से हाथी की मौत, एक हफ्ते में तीसरा हादसा

गरियाबंद, एएनआइ। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में सोमवार को बिजली गिरने से एक हाथी की मौत हो गई। गरियाबंद के प्रभागीय वनाधिकारी (डीएफओ) मयंक अग्रवाल के अनुसार, कुछ दिनों पहले 20 हाथियों का एक दल ओडिशा से छत्तीसगढ़ आया था। अग्रवाल ने कहा कि कल सुबह, ग्रामीणों ने खेत में एक मृत हाथी को देखा। वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर मामले की जांच की। अग्रवाल ने आगे कहा कि जांच के बाद, यह पता चला कि 11 किलोवोल्ट का तार खेत में लटका हुआ था, जिसके कारण हाथी पर बिजली का करंट लगा था। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। एक स्थानीय ने कहा कि हमारे पास कई बार तार को लेकर शिकायतें आती हैं लेकिन विद्युत विभाग ने हमारी शिकायत का जवाब नहीं दिया। अग्रवाल ने कहा कि बिजली विभाग की लापरवाही से हाथी की मौत हुई। पिछले छह दिनों में रिपोर्ट की गई यह तीसरी घटना है। अन्य दो घटनाएं छत्तीसगढ़ के धरमजयगढ़ और महासमुंद क्षेत्रों में हुई थीं। पिछले चार महीनों में, छत्तीसगढ़ में विद्युतीकरण सहित कई कारणों से ग्यारह हाथियों की मौत हो गई है।

छत्तीसगढ़ में कृषि और आवश्यक वस्तु कानूनों के विरोध में पैदल राजभवन पहुंची कांग्रेस

रायपुर, राज्य ब्यूरो। छत्तीसगढ़ में सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी ने केंद्र सरकार के कृषि और आवश्यक वस्तु से संबंधित तीन कानूनों के विरोध में मंगलवार को रायपुर में पैदल मार्च किया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम के नेतृत्व प्रदेश मुख्यालय से शुरू हुई यह यात्रा राजभवन तक गई। इसमें प्रदेशभर से आए पार्टी कार्यकर्ता और नेताओं के साथ विधायक और मंत्री भी शामिल हुए।

कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। इसमें पार्टी ने संसद के मानसून सत्र में पारित इन तीनों कानूनों को तत्काल निरस्त करने की मांग की है। कांग्रेस ने इन कानूनों को काले कानून की संज्ञा दी है। कांग्रेस की यह पद यात्रा दोपहर करीब 12 बजे शंकर नगर स्थित प्रदेश मुख्यालय राजीव भवन से शुरू हुई। इसमें मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम, प्रदेशभर से आए संगठन के नेता और पदाधिकारी के साथ कार्यकर्ता भी शामिल हुए।

पुलिस के कड़े सुरक्षा घेरे में पद यात्रा गौरव पथ होते हुए राजभवन पहुंची। जहां मंत्री टीएस सिंहदेव के साथ कई विधायक भी शामिल हो गए। कांग्रेस नेताओं ने राजभवन के सामने सड़क पर बैठककर नारेबाजी भी की।

प्रदेश अध्यक्ष मरकाम ने कहा कि प्रदेश सरकार पूरी तरह किसानों के साथ खड़ी है। जरूरत पड़ी तो सरकार नया कानून बनाने से भी पीछे नहीं हटेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इस मामले में कानूनी लड़ाई लड़ने को भी तैयार है।

पंचायत मंत्री सिंहदेव ने कहा कि इन कानूनों के जरिए केंद्र सरकार ने कापोरेट सेक्टर के लिए कृषि उत्पादों की खरीदी का रास्ता खोल दिया है। कांग्रेस न्यूनतम समर्थन मूल्य को इस कानून का हिस्सा बनाने की मांग कर रही है।

कोरोना वायरस के बढ़ते संक्रमण के खतरे के बीच हुए कांग्रेस के इस प्रदर्शन में कोरोना से बचाव की गाइड लाइन की जमकर अनदेखी हुई। किसी ने भी शारीरिक दूरी का ध्यान नहीं रखा, जबकि पार्टी के कई नेता पहले पाजिटिव आ चुके हैं। मास्क को लेकर भी बहुत से नेता लापरवाह नजर आए।

चार राज्यों ने छत्तीसगढ़ की अंतरराज्यीय बसों को प्रवेश से रोका

रायपुर, राज्य ब्यूरो। छत्तीसगढ़ की अंतरराज्यीय बसों को झारखंड, महाराष्ट्र, ओडिशा और बिहार की सीमाओं के अंदर प्रवेश नहीं दिया जा रहा है। यहां बढ़ते कोरोना संक्रमण की वजह से पड़ोसी राज्य भयभीत हैं। इन चार राज्यों ने अपनी सीमा के अंदर अंतरराज्यीय बसों के प्रवेश पर रोक लगा दी है। इस कारण छत्तीसगढ़ से जाने वाली बसों के चालक मजबूरी में यात्रियों को प्रदेश की सीमा पर छोड़कर वापस लौट आ रहे हैं। सीमा से यात्री टैंपो या फिर आटो का सहारा लेकर किसी तरह उक्त राज्यों की सीमा में प्रवेश कर रहे हैं।

रायल ट्रैवल्स के संचालक सैय्यद अनवर का कहना है कि इससे यात्रियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ से महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, बिहार, झारखंड, तेलंगाना और ओडिशा की बसों का संचालन किया जा रहा है। मध्य प्रदेश और तेलंगाना में छत्तीसगढ़ की बसों को अभी जाने दिया जा रहा है। झारखंड की सीमा में छत्तीसगढ़ की एक बस प्रवेश कर गई थी तो झारखंड के अधिकारियों ने चालान की कार्रवाई करने के बाद ही उसे छोड़ा। प्रदेश के संयुक्त परिवहन आयुक्त वेदव्रत सिरमौर ने संबधित राज्य के अधिकारियों से बात करके उचित समाधान निकालने की बात कही है।

गौरतलब है कि महाराष्ट्र में कोरोना वायरस के 14976 नए मामले रिपोर्ट हुए और 430 लोगों की मौत हुई है। राज्य में कुल केस 13,66,129 हुए। अब तक महाराष्ट्र में 36,181 की मौत हुई है। वहीं झारखंड में मंगलवार को कोरोना वायरस के 1123 नए मामले रिपोर्ट हुए हैं और 12 लोगों की मौत हुई है। राज्य में कुल केस 82540 हुए हैं। अब तक 700 लोगों की मौत हुई है।

अगले सौ दिनों में हर स्कूल और आंगनवाड़ी केंद्र में चलेगा पानी का कनेक्शन देने का अभियान

नई दिल्ली, जागरण ब्यूरो। जल जीवन मिशन के तहत प्रत्येक गांव के हर घर में नल से जलापूर्ति का लक्ष्य है, जो वर्ष 2024 तक पूरा करना है। लेकिन इसके पहले अगले एक सौ दिनों में ही देश के प्रत्येक स्कूल और आंगनवाड़ी केंद्र में नल से जलापूर्ति कर दी जाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह घोषणा मंगलवार को जल जीवन मिशन के एक कार्यक्रम में की। स्कूलों व आंगनवाड़ी केंद्रों में पानी का कनेक्शन लगाने में राज्यों की भूमिका अहम होगी।

उन्होंने इसके लिए राज्य सरकारों से इस दायित्व को अपने कंधों पर उठाने को कहा। इस अभियान की शुरूआत गांधी जयंती दो अक्तूबर से की जाएगी। जल जीवन मिशन का यह विशेष देशव्यापी अभियान स्वच्छ भारत मिशन के तौर पर चलाया जाएगा। इसमें केंद्र और राज्य सरकारों के साथ ग्राम पंचायतों की मदद ली जाएगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि स्कूली बच्चों की सेहत के मद्देनजर इस अभियान को स्थानीय स्तर पर आगे बढ़ाया जाएगा। स्वच्छता अभियान के दौरान भी इसी तरह एक विशेष अभियान चलाकर पूरे देश के सभी स्कूलों में शौचालयों का निर्माण किया गया था। इसके चलते शौचालयों के अभाव में स्कूली पढ़ाई छोड़ देने वाली बच्चियों का दाखिला बढ़ गया। इसे स्थानीय स्तर पर बहुत सराहा गया है।

पीएम मोदी ने कहा कि आज पैसा पानी में नहीं बहता, पानी पर लगाया जाता है। हमारे यहां तो हालत ये थी कि पानी जैसा महत्वपूर्ण विषय भी कई मंत्रालयों और विभागों में बंटा हुआ था। विभागों में न कोई तालमेल था और न ही समान लक्ष्य के लिए काम करने का कोई स्पष्ट दिशा-निर्देश। पानी से जुड़ी चुनौतियों के साथ अब ये मंत्रालय देश के हर घर तक जल पहुंचाने के मिशन में जुटा हुआ है।

आज जल जीवन मिशन के तहत हर दिन करीब 1 लाख परिवारों को शुद्ध पेयजल की सुविधा से जोड़ा जा रहा है। सिर्फ एक साल में ही देश के 2 करोड़ परिवारों तक पीने का पानी पहुंचाया जा चुका है। नतीजा ये हुआ कि देश में सिंचाई हो या फिर पीने के पानी से जुड़ी समस्या, ये निरंतर विकराल होती गईं। आप सोचिए, आजादी के इतने वर्षों बाद भी 15 करोड़ से ज्यादा घरों में पाइप से पीने का पानी नहीं पहुंचता था।

एक और आफत: कोरोना से जंग अभी जीत भी नहीं पाए कि चीन का एक और कैट क्यू वायरस हमला करने को तैयार

नई दिल्ली, आइएएनएस। चीन से आए कोरोना वायरस से भारत समेत पूरी दुनिया अभी पूरी तरह निपट भी नहीं पाई है कि देश में एक और चीनी वायरस कैट क्यू की मौजूदगी के संकेत मिलने से विज्ञानियों की चिंता बढ़ गई है। आइसीएमआर के अनुसार कैट क्यू वायरस (सीक्यूवी) से तेज बुखार, मेनिनजाइटिस, और पैड्रियाट्रिक इंसेफ्लाइटिस (दिमागी बुखार) की समस्या पैदा हो सकती है। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आइसीएमआर) के राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान (एनआइवी), पुणे के सात विज्ञानियों ने बताया कि चीन और वियतनाम में क्यूलेक्स मच्छरों और सुअरों में कैट क्यू वायरस (सीक्यूवी) पाया जाता है। भारत में भी क्यूलेक्स मच्छर की प्रजाति का विस्तार होने से इस मच्छर से सीक्यूवी के खतरे की आशंका पैदा हो गई है।

विज्ञानियों ने कहा कि चीन में क्यूलेक्स और वियतनाम के सुअरों में सीक्यूवी की मौजूदगी से इस बात की पूरी आशंका है कि अन्य एशियाई देशों में भी यह वायरस सक्रिय हो सकता है। विज्ञानियों ने

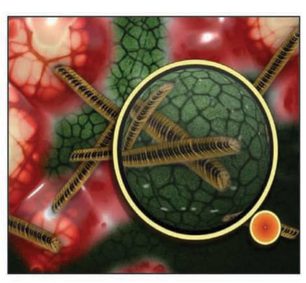

बताया कि कई राज्यों के 883 नमूनों की जांच में दो नमूनों में इस वायरस की एंडीबाडी पाई गईं। इससे जाहिर है कि कम से कम दो लोग कभी न कभी इस वायरस की चपेट में आ चुके हैं। जबकि जांच के दौरान किसी व्यक्ति के शरीर में यह वायरस नहीं पाया गया।

विज्ञानियों के अनुसार दो नमूनों में इस वायरस की एंटीबाडी और मच्छरों में सीक्यूवी के बढ़ने की रफ्तार से यह वायरस खतरा पैदा कर सकता है। इंडियन जर्नल आफ मेडिकल रिसर्च के जून अंक में छपी एक रिपोर्ट के अनुसार कैट क्यू वायरस के संभावित खतरे को समझने के लिए मनुष्य और सुअरों के और नमूनों को लेकर उन्हें परखने की जरूरत है।

भारतीय संदर्भ में मच्छरों की कुछ खास प्रजातियां जैसे एई-एजिप्टी, सीएक्स-क्विनक्यूफैसिटस और सीएक्स-ट्राइटेनियोंहिंचस, सीक्यूवी को लेकर बहुत संवेदनशील हैं। एक विज्ञानी के अनुसार सीक्यूवी इन मच्छरों के जरिये मानव शरीर में आसानी से पहुंच सकता है।

आइसीएमआर के अनुसार घरेलू सुअर प्राथमिक स्तनपायी पशु है जिसमें यह वायरस पाया गया है। वहीं चीन के सुअरों में इस वायरस की एंटीबाडी पाई गई हैं। इससे साबित होता है कि कैट क्यू वायरस ने स्थानीय स्तर पर एक प्राकृतिक चक्र विकसित कर लिया है।

उत्तरी अरब सागर में 3 दिनों तक चला भारत-जापान का युद्धाभ्यास

नई दिल्ली, एएनआइ। उत्तरी अरब सागर में तीन दिनों तक चले भारत-जापान नेवी का युद्धाभ्यास सोमवार को खत्म हो गया। 26 सितंबर से 28 सितंबर तक तीन दिनों के लिए दोनों देशों की नौसेना यहां मिलिट्री एक्ससाइज कर रही थी। समुद्र में अभ्यास का यह चौथा एडिशन JIMEX है जिसकी शुरूआत वर्ष 2012 में हुई थी। इसके बाद से हर दो साल के अंतराल में इस अभ्यास का आयोजन किया जाता है। अभी हुए अभ्यास में जापान मारिटाइम सेल्फ डिफेंस फोर्स के जहाज इकाजुची और कागा को शामिल किया गया जिसका प्रतिनिधित्व रियर एडमिरल कोन्नो यासुशहिगे कर रहे थे। वहीं भारतीय नेवी के जहाज चेन्नई तरकश और दीपक का प्रतिनिधित्व रियर एडमिरल कृष्ण स्वामीनाथन को सौंपा गया था। पूर्वी लद्दाख में चीन के साथ जारी तनाव के बीच भारत और जापान मिलकर शनिवार से उत्तरी अरब सागर में नौसैनिक अभ्यास कर रहे थे। इस दौरान हथियारों से फायरिंग, क्रॉस डेक हेलिकॉप्टर ऑपरेशन, ऐंटी-सबमरीन और एयर वारफेयर ड्रिल्स भी किए गए। बता दें कि पिछली बार इस नौसैनिक अभ्यास का आयोजन अक्टूबर 2018 में विशाखापत्तनम में हुआ था। भारत और जापान के बीच नौसैनिक सहयोग लगातार बढ़ रहा है। लद्दाख सीमा पर विवाद के बाद भारत चीन के बीच तनाव जारी है और पूर्वी चीन सागर में द्वीप को लेकर जापान को चीन उकसा रहा है। ऐसे में चीन के खिलाफ एकजुट हुए जापान-भारत की नौसेना अरब सागर में युद्धाभ्यास कर रही है। जापान की नौसेना ने ट्वीट कर जानकारी दी थी कि 27 जून को जापान मारिटाइम सेल्फ डिफेंस फोर्स के जेएस काशिमा ओर जेएस शिमायूकी ने भारतीय नौसेना के आइएनएस राणा और आइएनएस कुलिश के साथ हिंद महासागर में एक अभ्यास किया। युद्धाभ्यास के जरिए भारतीय नौसेना के साथ मिलकर जापान मारिटाइम सेल्फ डिफेंस फोर्स ने अपने समझ औ सहयोग को बढ़ावा दिया ।

कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने 16 संयुक्त सचिव स्तर के अधिकारियों की नई नियुक्तियों को दी मंजूरी

नई दिल्ली, आइएएनएस। कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने 16 नई नियुक्तियों को मंजूरी दी है। इसके तहत विभिन्न मंत्रालयों में संयुक्त सचिव या इसके समकक्ष अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। 1990 बैच के आइपीएस अधिकारी श्याम नेगी को कोयला मंत्रालय और 1992 बैच के आइआरएस अधिकारी अमिताभ कुमार को वाणिज्य मंत्रालय में संयुक्त सचिव नियुक्त किया गया है। एम अंगमुथु को कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीईडीए) का अध्यक्ष बनाया गया है। जबकि आशीष चटर्जी को नेशनल डिफेंस कॉलेज में सीनियर डायरेक्टिंग स्टाफ (सीडीएस) बनाया गया है। अनुराग वाजपेयी रक्षा उत्पाद विभाग के नए संयुक्त सचिव बनाए गए हैं। संजय लोहिया को खनन मंत्रालय में संयुक्त सचिव और सुखेंदु ज्योति को नीति आयोग में सलाहकार नियुक्त किया गया है। इसी तरह रेखा यादव को पंचायती राज में बतौर संयुक्त सचिव नियुक्ति मिली है। कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग में दो संयुक्त सचिवों आशीष शर्मा और राहुल सिंह की तैनाती हुई है। इसी तरह सड़क और परिवहन मंत्रालय में महमूद आलम की बतौर संयुक्त सचिव नियुक्ति हुई है। जबकि, केसांग योंगजोम शेरपा को राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद का सदस्य सचिव बनाया गया है। चेतन प्रकाश जैन को वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआइआर) में नया संयुक्त सचिव बनाया गया है। 1995 बैच के आइएएस अफसर एम महेश्वरी राव को बेंगलुरु के अंतरिक्ष विभाग में वित्तीय सलाहकार नियुक्त किया गया है। संयुक्त सचिव के रूप में जी जयंती भी यहीं काम करेंगी। वहीं, अदिति दास को महिला एवं विकास मंत्रालय में संयुक्त सचिव नियुक्त किया गया है।

दोनों देशों के बीच तेज हुई कूटनीतिक जुबानी जंग

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली। पिछले एक पखवाड़े के दौरान पूर्वी लद्दाख स्थित वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) से कोई आपत्तिजनक खबर नहीं आई है। लेकिन इसी बीच एलएसी को लेकर भारत व चीन के बीच नई कूटनीतिक जंग शुरू हो गई है। भारत ने चीन के इस दावे को पूरी तरह से खारिज कर दिया है कि दोनो देशों के बीच वर्ष 1959 में निर्धारित एलएसी को लेकर बातचीत हो रही है। भारत ने चीन को यह सलाह भी दी है कि दोनो देशों के बीच एलएसी निर्धारण को लेकर जब कई दशकों से बैठकों का दौर चल रहा है तो वह अपनी तरह से इसको तय करने की कोशिश नहीं करे।

उधर, चीन के विदेश मंत्रालय ने भी लद्दाख को लेकर बेहद आपत्तिजनक टिप्पणी की है। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने कहा है कि, "चीन केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख को भारत का हिस्सा नहीं मानता। भारत इस

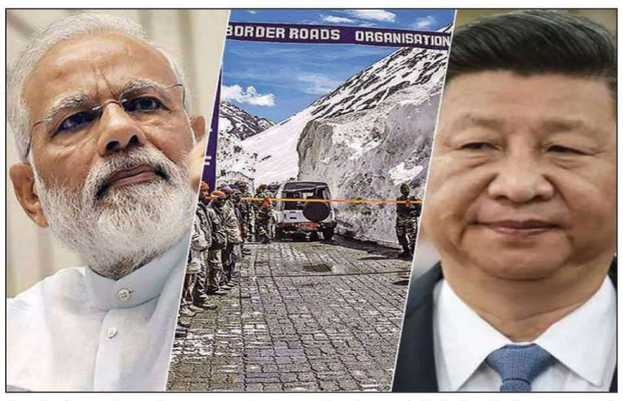

क्षेत्र में सैन्य उद्देश्य से ढांचागत विकास कर रहा है, हम इस पर जल्द से जल्द रोक लगाने की मांग करते हैं।" वेनबिन ने यह भी कहा कि भारत ने इस हिस्से को गैर कानूनी तरीके से कब्जा कर रखा है।। यह पहला मौका है जब चीन ने लद्दाख को लेकर इस तरह की स्पष्ट टिप्पणी की है और वह भी तब जब दोनो देशों की सेनाओं के बीच साढ़े चार महीने से तनाव है। लद्दाख के कई हिस्से पर दोनो देशों की सेनाएं कुछ सौ मीटर पर तैनात है। सर्दियों के शुरू होने में कुछ हफ्ते बाकी है और दोनो तरफ से भारी साजो समान का जमावड़ा किया जा रहा है। साथ ही दोनो देशों के बीच तनाव को खत्म करने की बातचीत का सिलसिला भी जारी है। 10 सितंबर, 2020 को दोनो देशों के विदेश मंत्रियों के बीच तनाव खात्मे को लेकर बातचीत भी हुई थी।

भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अनुराग श्रीवास्तव ने बताया कि, भारत ने कभी भी वर्ष 1959 में चीन की तरफ से प्रस्तावित एलएसी को स्वीकार नहीं किया है। यह भारत की पुरानी राय है और इस बारे में चीनी पक्ष को भी लगातार बताया गया है। उन्होंने दोनो देशों के बीच वर्ष 1993 में एलएसी पर अमन-शांति बहाली करने के लिए किये गये समझौते, वर्ष 1996 में विश्वास बहाली के लिए किये गये समझौते, वर्ष 2005 में सीमा विवाद सुलझाने के लिए किया गया राजनीतिक समझौते में दोनो पक्षों ने एलएसी को स्वीकार किया है। वर्ष 2003 में दोनो पक्षों ने एलएसी को चिन्हित करने के लिए भी बातचीत का दौर शुरू किया था लेकिन चीन के रवैये की वजह से यह आगे नहीं बढ़ सका। चीनी पक्ष ने इस पर ज्यादा गंभीरता नहीं दिखाई थी। श्रीवास्तव ने आगे कहा है कि भारतीय पक्ष ने एलएसी का हमेशा आदर किया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हाल ही में संसद में भी यही बात कही है। चीनी पक्ष की तरफ से एलएसी के कई हिस्सों को बदलने की कोशिश की जा रही है। हाल के महीनों में भी चीनी पक्ष ने यह बात दोहराई है कि मौजूदा तनाव को दोनो देशों के बीच किये गये समझौते के मुताबिक सुलझाया जाना चाहिए। 10 सितंबर को भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर की चीनी विदेश मंत्री से हुई बातचीत में भी मौजूदा समझौतों को लेकर प्रतिबद्धता दिखाई गई थी। भारत उम्मीद करता है कि चीनी पक्ष पूर्व किये गये सभी समझौतों को स्वीकार करेगा और एलएसी की स्थिति को अपनी तरफ से बदलने की कोशिश नहीं करेगा।

क्या था 1959 का प्रस्ताव

चीन के विदेश मंत्रालय ने पहले एक भारतीय समाचार पत्र में बयान दिया कि वह 1959 में पूर्व पीएम झाऊ एनलाई की तरफ से पीएम पंडित जवाहरलाल नेहरू को प्रस्तावित एलएसी को लेकर अभी भी प्रतिबद्ध है। भारतीय विदेश मंत्रालय की तरफ से मंगलवार को दिये गये जवाब से साफ है कि पूर्व पीएम नेहरू ने भी जिस प्रस्ताव को खारिज किया था भारत अब भी उसे स्वीकार नहीं करता है। वर्ष 1959 में दोनो तरफ की सेनाओं के बीच कोंगका ला में झड़प होने के बाद पूर्व पीएम झाऊ एनलाई ने भारतीय पीएम को पत्र लिखा था जिसमें दोनो तरफ की सेनाओं को मैकमोहन रेखा से 20-20 किलोमीटर दूर जाने की बात कही गई थी। इस तरह से दोनो सेनाओं के बीच 40 किलोमीटर की दूरी हो जाती। दरअसल इसी बहाने चीन भारत को बढ़त की पोजीशन से पीछे भेजना चाहता था। जब भी लद्दाख सेक्टर में दोनो देशों की सेनाओं के बीच झड़प होती है तब चीन वर्ष 1959 में प्रस्तावित एलएसी की बात करता है। अगस्त, 2017 में भी वह ऐसा कह चुका है।

ग्रामीण अंचल

प्रयागराज बुधवार, 30 सितम्बर, 2020

संक्षेप समाचार

गाड़ी ओवरटेक के बिवाद में दो चालक भिड़े, मारपीट

सैदाबाद। क्षेत्र के दुसौती गांव मेंगाड़ी ओवरटेक के बिवाद मे दो चालक आपस मे भिड़ गये। झगड़े मे ग्रामीण भी शामिल हो गये। मामले मे पीड़ित की तहरीर पर पुलिस चार लोगो को पूछताछ के लिए सैदाबाद चौकी ले आई है।घटना बीते सोमवार रात नौ बजे की है। दुसौती गांव निवासी सोनू मालवाहक मैजिक चलाता है। वह मुर्गी का दाना प्रयागराज में उतारकर घर वापिस आ रहा था। क्षेत्र के हरीपुर गांव निवासी मूलचन्द्र एक निजी यात्री बस मे परिचालक है। अंदावा में ओवरटेक के बिवाद मे दोनो पक्षो मे कहा सुनी हो गई। मौके पर मौजूद लोगो के बीच बचाव करने पर मामला किसी तरह शांत हुआ। दुसौती गांव मे मूलचन्द्र बस से सवारियो को उतार रहा था। मौका देखकर सोनू अपने साथियो के संग पहुच मूलचन्द्र की जमकर पिटाई की। सूचना पर मौके पर सैदाबाद पुलिस पहुची लेकिन आरोपी भाग निकले। पीड़ित ने चार ज्ञात व पांच अज्ञात लोगो के खिलाफ तहरीर दी है। मंगलवार सुबह सैदाबाद चौकी पुलिस अमित, बब्लू, सचिन को पूछताछ के लिए चौकी ले आई। ग्रामीणो ने बताया कि पुलिस ग्रामीणो को परेशान कर रही है। घटना मे सैदाबाद के नौशाद सहित कई लोग शामिल थे। लेकिन पुलिस उन्हे पकड़ने मे कोताही बरत रही है।

ट्रैक्टर से कुचलकर बाइक सवार पिता पुत्र की दर्दनाक मौत

दवा लेने शहर जा रहें थे पिता-पुत्र रास्ते में हादसे का शिकार हो गए

करछना। थाना क्षेत्र के कैथी चौराहा पर मंगलवार सुबह तेज रफ्तार ट्रैक्टर की चपेट मे आये बाइक सवार पिता पुत्र की मौत हो गई।दोनो इमिलिया कोराव से शहर दवा लेने जा रहे थे जैसे ही उसकी बाइक कैथी चौराहे के समीप पहुची कि सामने से आ रहे डफर ने साइड मे टक्कर मार दी जिससे बाइक सवार लहराकर सडक पर गिर गया और पीछे से आ रहे गिट्टी लदे ट्रैक्टर ने रौद दिया जिससे बेटे की मौके पर ही मौत हो गई जबकि उसके पिता की मौत सीएचसी करछना मे डाक्टरो ने मृत घोषित किया।कोराव थाना क्षेत्र के चंदापुर इमिलिया गाव निवासी छोटेलाल 55 बेटे पंचराज 22 के साथ मोटरसाइकिल से शहर दवा लेने जा रहा था और मोटरसाइकिल पचराज चला रहा था,जैसे ही करछना थाना के कैथी चौराहे पर पहुचा कि सामने से आ रहे डंफर ने मोटरसाइकिल मे साइड से टक्कर मार दी और दोनो लहराकर सडक पर गिर गये इसी दौरान पीछे से आ रहे ट्रैक्टर ने कुचल दिया जिससे पंचराज की मौके पर ही मौत हो गई जबकि उसके पिता को इलाज के लिए पुलिस ने सीएचसी करछना ले आई जहा डाक्टरो ने उसे मृत घोषित कर दिया।पुलिस ने जेब मे मिले आधारकार्ड से उसकी पहचान करते हुए घर सूचना भेजा जहा से परिजन भी मौके पर करछना पहुंचे।परिजनो के मुताबिक छोटेलाल की तबियत खराब चल रही थी जिसे दिखाने शहर जा रहे थे कि हादसे के शिकार हो गये। छोटेलाल घर पर रहकर खेती किसानी का काम करता था कई दिनो से उसकी तबियत खराब चल रही थी जिसे डाक्टर को दिखाने शहर जा रहे थे।परिजनो की तहरीर पर पुलिस ने दुर्घटना का मामला दर्ज करते हुए दोनो शवो को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया वही पुलिस ने ट्रैक्टर और डंफर को कब्जे मे ले लिया है।

हादसे के बाद घटनास्थल पर जमा भीड़ व मौजूद पुलिस

दिव्यांग की कुल्हाड़ी मारकर हत्या

करछना। थाना क्षेत्र के सेमरहा गाव मे सोमवार रात करीब 9 खेत मे रखवाली करने गया एक दिव्याग के सीने पर कुल्हाडी से वारकर मौत के घाट उतार दिया।थोडी देर बाद उसका पिता भी वहां पहुचा तो घटना देखकर स्तब्ध रह गया और शोर मचाया तो मौके पर गाव के लोग पहुचे।सेमरहा गाव निवासी शनी पुत्र जैलू निषाद सोमवार को अपने खेत मे बोये बैगन की रखवाली के लिए गया था देरशाम खाना खाने नही लौटा तो उसके पिता खेत पर गये तो उसे देखकर स्तब्ध रह गये। जानकारी के मुताबिक शनी अपने खेत मे बैगन की बोई गई फसल को पशु और नीलगायो से बचाने के लिए रखवाली करने के लिए घर से निकला था और रात 9 बजे तक वह घर खाना खाने के लिए नही पहुचा तो उसके पिता ने लडके को फोन किया जिसका जबाब न मिलने पर उसके पिता जैलू निषाद खुद वहा पहुच गये और बेटे को आवाज दी जिसपर कोई जबाब न मिलने पर पिता हाथ पकडकर उठाने लगे तो देखा तो वह मृत हो चुका था जिसकी जानकारी परिजनो और गाव के लोग को दी।मौके पर पहुचे गाव वालो ने देखा कि शनी के शरीर पर किसी धारदार हथियार से वार किया गया था।घटना की जानकारी रात मे पुलिस को दी गई मौके पर पहुंची पुलिस ने लाश को रात को ही पोस्टमार्टम के लिए भेजवा दिया और घटना की तफ्शीस मे जुट गई।मृतक के पितौ की तहरीर पर अज्ञात अपराधियो के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर जाच पडताल मे जुटी है।पुलिस का कहना है कि परिवार के लोगो ने किसी से कोई दुश्मनी नही है।

धार्मिक स्थलों पर चलाया गया स्वच्छता अभियान

नैनी। क्षेत्र के अरैल स्थित प्राचीन श्री सोमेश्वर नाथ मंदिर परिसर में रविवार को सरस्वती सामाजिक सेवा संस्थान अरैल की ओर से स्वच्छता अभियान चलाया गया। सभी लोगों ने सोशल डिस्टेसिंग का पालन करते हुए मंदिर परिसर के अंदर-बाहर साफ सफाई की। इस दौरान स्वच्छता हेतु सोमेश्वर महादेव मंदिर में दो, वेणी माधव मंदिर में एक एवं शूलटंकेश्वर मंदिर में दो कूड़ादान रखवाया गया। इस दौरान समिति के अध्यक्ष कुंवर जी तिवारी, सोमेश्वर महादेव मंदिर के महंत शैल गिरी, वेणीमाधव माधव मंदिर के महंत दामोदर प्रसाद तिवारी एवं शूलटंकेश्वर महादेव मंदिर के भक्त गिरीराज पांडेय ने इसकी सराहना की। इस दौरान संतोष तिवारी, कुंवरजी तिवारी, मनीष पांडेय, निखिलेश पांडेय, सुनील मिश्रा, धीरज यादव, महेश प्रसाद केसरवानी, सहदेव चौरसिया, लल्लू राम प्रजापति, ऋषि दीक्षित, सुनील कुशवाहा, नागेश नारायण मिश्रा, रामनरेश भारतीय आदि मौजूद रहे।

अज्ञात वाहन की टक्कर से महिला की मौत

महिला की मौत के बाद रोते बिलखते परिजन

मृतका की फाइल फोटो

उतरांव। उतरांव थाना क्षेत्र के भदवा गांव में अज्ञात वाहन की टक्कर से एक महिला की मौत हो गई।सूचना पर मौके पर पुलिस पहुंची। भदवा गांव निवासी राजाराम भारती जो मेहनत मजदूरी कर अपने परिवार का भरण पोषण करता है। रविवार शाम लगभग 6:30 के करीब उसकी पत्नी पार्वती देवी 45 वर्ष जो सैदाबाद से आ रही थी। जैसे ही उतराव थाना क्षेत्र के रेलवे फाटक के पास पहुंची थी कि एक अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दिया। जिससे महिला लहूलुहान होकर सड़क पर गिर गई। टक्कर मारकर अज्ञात वाहन तेजी से फरार हो गया। वही रास्ते से आ जा रहे लोगों ने शोर मचाया तो भीड़ इकट्ठा हो गई। सूचना पर मौके पर पुलिस पहुंच गई। महिला की मौके पर ही मौत हो गई थी। वहीं मौत की खबर सुनकर परिजनों में कोहराम मच गया। मृतिका के तीन बेटे अजय विजय धीरज व एक बेटी मनोजा हैं। मृतिका पार्वती देवी की मौत से पति समेत पूरे परिवार का रो रो कर बुरा हाल है।

कोटेदार के चुनाव में धांधली का आरोप लगाते हुए ब्लाक कार्यालय का किया घेराव, सौंपा पत्र

घूरपुर। क्षेत्र के कंजासा गांव में सोमवार के दिन हुए कोटेदार के चुनाव में धांधली का आरोप लगाते हुए मंगलवार के दिन जसरा विकासखंड मुख्यालय पहुंच ग्रामीणों ने घेराव किया ।और दोबारा राशन की दुकान का चुनाव कराने की मांग करते हुए जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन एडीओ पंचायत जसरा को सौंपा।

घूरपुर के कंजासा में भारी पुलिस बल के बीच सोमवार के दिन सरकारी राशन के कोटे का चुनाव संपन्न हुआ था जिसमें सीमा निषाद ने अपनी प्रतिद्वंदी अंशु निषाद को 52मतों से पराजित कर विजयी हुई थी। मंगलवार के दिन चुनाव में धांधली का आरोप लगाते हुए दर्जनों लोगों ने जसरा विकास खंड कार्यालय का घेराव कर जिलाधिकारी के नाम संबोधित पत्र एडीओ पंचायत राम सूरत यादव को देकर पुनः कोटेदार का चुनाव कराए जाने की मांग की। एडीओ पंचायत ने जिलाधिकारी तक पत्र पहुंचाकर मामले को अवगत कराने का लोगों को आश्वस्त किए तब जाकर लोग गांव वापस हुए। कोटेदार बने पक्ष के बीच असमंजस की स्थित आ जाने से गांव में हलचल है।

एडीओ पंचायत को मांग पत्र सौंपते कंजासा के लोग

गैर इरादतन हत्या का आरोपी गिरफ्तार

नैनी। औद्योगिक क्षेत्र स्थित मवईया गांव में गैर इरादतन हत्या के आरोपी युवक को पुलिस ने मंगलवार को गिरफ्तार कर चालान कर दिए। जानकारी के मुताबिक औद्योगिक क्षेत्र के मवईया गांव निवासी संजीव कुमार निषाद पुत्र रामहरख निषाद की गांव के ही विनोद निषाद पुत्र मूलचंद्र निषाद से गत 18 सितंबर को मारपीट हो गई। मारपीट के दौरान विनोद का धक्का लगने से संजीव जमीन पर गिर गया था और उसका सिर पत्थर से टकरा गया था। जिससे उसका सिर फट गया था। घरवालों ने उसे एसआरएन अस्पताल में भर्ती कराया था, जहां इलाज के दौरान गत शनिवार को उसकी मौत हो गई थी। पुलिस ने इसमें गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज किया था। जिसमें नामजद विनोद कुमार निषाद को संड़वा पुलिस चौकी प्रभारी वैकुण्ठ नाथ पांडेय ने मंगलवार को गिरफ्तार कर लिए। इंस्पेक्टर चंद्रभान सिंह ने बताया कि आरोपी के खिलाफ धारा 304 आईपीसी के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। जिसे गिरफ्तार कर चालान कर दिया गया।

चोरी की बाइक, तमंचा-कारतूस मोबाइल के साथ शातिर गिरफ्तार

नैनी। कोतवाली क्षेत्र के बांध रोड से पुलिस ने सोमवार रात एक शातिर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की पांच बाइक, तमंचा-कारतूस व मोबाइल बरामद करते हुए चालान कर दिए। जानकारी के मुताबिक एसओजी यमुनापार व नैनी कोतवाली की संयुक्त टीम ने सोमवार देर रात जरिए मुखबिर की सटीक सूचना पर बांध रोड के समीप एक शातिर को गिरफ्तार कर नैनी कोतवाली उठा लाए। पुलिस के मुताबिक पकड़े गए आरोपी के कब्जे से चोरी के दस मोबाइल, पांच बाइक और एक तमंचा व कारतूस बरामद किया गया है। आरोपी मूल रूप से सुल्तानपुर के कोतवाली देहात थाना क्षेत्र स्थित कजियापुर गांव निवासी अभय कुमार पुत्र अयोध्या प्रसाद है। वह नैनी कोतवाली क्षेत्र के आनंद नगर, नई बाजार में कमरा किराए पर लेकर रहता है और क्षेत्र में वारदात को अंजाम देने में जुटा हुआ था। उसके खिलाफ प्रतापगढ़ जिले में आठ, प्रयागराज के झूंसी, सोरांव एक-एक और नैनी कोतवाली में पांच आपराधिक मुकदमें दर्ज है। पकड़े गए आरोपी के खिलाफ पुलिस ने नैनी कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कर मंगलवार को चालान कर दिए। गिरफ्तार करने वाली टीम में इंस्पेक्टर जितेंद्र कुमार सिंह, एसएसआई राम आशीष यादव, एसआई अजीत सिंह, विमलेश त्रिपाठी व एसओजी यमुनापार प्रभारी वृंदावन राय सहित कई पुलिस कर्मी शामिल रहे।

कैबिनेट मंत्री के अच्छे स्वास्थ्य हेतु किया गया हवन पूजन

खीरी। उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी' जी के जल्द अच्छे स्वास्थ्य हेतु राष्ट्रीय जन उद्योग व्यापार संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष ओंकार नाथ केसरवानी के नेतृत्व में कैलाश नगर के पुराने शिव मंदिर पर हवन पूजन का आयोजन किया गया। बताते चलें कि कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता प्रयागराज से भारतीय जनता पार्टी के विधायक हैं और व्यापारियों के बड़े नेता माने जाते हैं' जिनकी कुछ दिनों पूर्व तबीयत खराब हुई तत्काल उन्होंने अपना परीक्षण कराया जहां पर उनकी रिपोर्ट कोरोना पॉजिटिव आई' रिपोर्ट पॉजिटिव की जानकारी होते ही तुरंत क्वॉरेंटाइन हो गए एवं अपने आसपास के लोगों तथा अपने मिलने जुलने वालों से निवेदन किया कि वह लोग भी अपनी जांच करा ले'और कोविड 19 के नियमो का पालन करते रहे जिससे आप और आम जनमानस इस महामारी से बचे रहे। इसी क्रम में उनके जल्द ही स्वस्थ होने एवं एक बार फिर से प्रदेश के लोगों की सेवा में एक बार फिर से लगने हेतु पूरे प्रदेश भर में व्यापारियों द्वारा हवन पूजन का कार्यक्रम किया जा रहा है इसी क्रम में ओंकार नाथ केसरी द्वारा शिव मंदिर पर हवन पूजन का कार्यक्रम किया गया' उक्त मौके पर श्रीमती कुसुम केसरी, शकुंतला गुप्ता, संजू गुप्ता, सम्राट केसरी, दिलीप केसरी, प्रदीप केसरी, राम मणि केसरी, कैलाश सेवा समिति के कोषाध्यक्ष सुरेंद्र केसरी, सुनील केसरी, मानस, रमेश जी, शुभम केसरी, मंगला केसरी, राहुल, विवेक, संजय केसरी, के अलावा दर्जनों की संख्या में व्यापारी गण मौजूद रहे।

गैस लीकेज से लगी आग, अधेड़ गंभीर रूप से झुलसा

नैनी। औद्योगिक क्षेत्र के बल्लू का डेरा में मंगलवार को एक गैस सिलेंडर लीकेज होने से एक मकान में आग लग गई। जिससे एक अधेड़ गंभीर रूप से झुलस गया। जबकि मकान जलकर खाक हो गया। ग्रामीणों के अथक प्रयास से आग पर काबू पाया गया। वहीं झुलसे अधेड़ को जिला अस्पताल में इलाज के लिए दाखिल कराया गया है।

जानकारी के मुताबिक औद्योगिक क्षेत्र स्थित मुंगारी ग्रामसभा के अंतर्गत बल्लू का डेरा निवासी लक्ष्मीकांत विश्वकर्मा (54) पुत्र राम चंद्र विश्वकर्मा प्राइवेट नौकरी कर परिजनों का पालन पोषण करते हैं। मंगलवार शाम को वह रसोई घर में गैस सिलेंडर लगा रहे थे। बताते हैं कि जैसे ही वह चूल्हे को चालू किए तो रेगुलेटर में अचानक आग पकड़ लिया। जब तक वह कुछ कर पाते, वह आग की चपेट में आ गए। चीख-पुकार की आवाज सुनकर परिजन अधेड़ को घर के बाहर निकाल लिए, लेकिन तब तक वह गंभीर रूप से झुलस चुके थे। वहीं कच्चा मकान धूं-धूं कर जलने लगा। लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई और आग पर काबू पाने के लिए प्रयास करने लगे। सूचना मिलने पर फायर बिग्रेड के कर्मचारी वाहन लेकर पहुंचे और ग्रामीणों की मदद से कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक मकान जलकर खाक हो चुका था। परिजनों के मुताबिक मकान में रखे समस्त खाद्य सामाग्री, घरेलू उपकरण एवं नकदी जलकर राख हो चुके थे। आनन-फानन में गंभीर रूप से झुलसे लक्ष्मीकांत विश्वकर्मा को एक चार पहिया वाहन में लाद फांद कर इलाज के लिए एसआरएन में भर्ती कराया गया है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच पड़ताल की।

गैस लीकेज से लगी आग में जलकर खाक हुआ मकान

हाईकोर्ट समाचार

इन्फ्रास्ट्रक्चर की कमी के चलते हाईकोर्ट का वीडियो कान्फ्रेनि्संग सुनवाई से इंकार

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने भारत सरकार के एएसजीआई के वीडियो कांफ्रेंसिंग से बहस का अनुरोध यह कहते हुए मानने में असमर्थता व्यक्त की है कि हाईकोर्ट का स्टाफ कोरोना संक्रमण के हाई रिस्क पर है। खासकर कंप्यूटर अनुभाग। वीडियो कांफ्रेंसिंग का इन्फ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध नही है। हाई रिस्क जोन में किसी व्यक्ति या स्टाफ को चेम्बर्स में सिस्टम लगाने के लिए नही कहा जा सकता। कोर्ट ने वीडियो कांफ्रेंसिंग से बहस का अनुरोध स्वीकार न कर 30 सितम्बर को शारीरिक रूप से मौजूद रहकर बहस करने को कहा है। यह आदेश न्यायमूर्ति विवेक अग्रवाल ने बब्लू उर्फ अमरदीप की याचिका पर दिया है ।

हाईकोर्ट का वेब सीरीज पाताल लोक के प्रसारण पर रोक लगाने से इन्कार

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने वेब सीरीज पाताल लोक के प्रसारण पर रोक लगाने की मांग में दाखिल याचिका पर हस्तक्षेप से इंकार कर दिया है। कोर्ट ने कहा है कि याची अपनी शिकायत केंद्र सरकार के सक्षम प्राधिकारी से करे और यदि चार सप्ताह में वह अपना प्रत्यावेदन देती हैं तो सक्षम प्राधिकारी उस पर नियमानुसार विचार कर निर्णय ले। एडवोकेट संगीता गुप्ता की जनहित याचिका पर मुख्य न्यायमूर्ति गोविंद माथुर और न्यायमूर्ति सिद्धार्थ वर्मा की पीठ ने सुनवाई की। याचिका में कहा गया था कि वेब सीरीज पाताल में सनातन धर्म के सिद्धांतों के विपरीत बातें दिखाई जा रही हैं। इसका प्रसारण अनुच्छेद 25 और 26 में प्राप्त मूल अधिकारों का हनन करता है। कोर्ट ने याचिका यह कहते हुए निस्तारित कर दी कि याची को पहले अपनी शिकायत सक्षम प्राधिकारी से करनी चाहिए।

एनएचआरएम घोटाले के आरोपी डाक्टरों को राहत नहीं, जमानत अर्जी तय करने का निर्देश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एनएचआरएम घोटाले के आरोपी सीएमओ फतेहपुर रहे डॉ. काशीराम के खिलाफ सीबीआई कोर्ट गाजियाबाद में चल रहे आपराधिक मुकदमे को रद्द करने से इंकार कर दिया है। कहा है कि याची मुकद्दमा रद्द करने का कोई आधार पेश नही कर सका है। हालांकि कोर्ट ने सीबीआई अदालत को याची की जमानत अर्जी पेश होने पर सुप्रीम कोर्ट के संजय अवस्थी केस के निदेर्शानुसार निस्तारित करने का निर्देश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति सुनीत कुमार ने दिया है। सीबीआई की तरफ से उसके नामित अधिवक्ता ने प्रतिवाद किया। याचिका में सीबीआई कोर्ट में चल रहे मुकदमे को रद्द करने, 17 अगस्त 20 को जारी सम्मन निरस्त करने तथा याची की व्यक्तिगत स्वतंत्रता की रक्षा करने की मांग की गयी थी। इसी प्रकार कोर्ट ने सीएमओ सोनभद्र रहे घोटाले के आरोपी डॉ. उमेश प्रसाद पाण्डेय एवं डिप्टी सीएमओ सोनभद्र रहे इस एनआरएचएम घोटाले के आरोपी डॉ. उदय नाथ गौतम की भी जमानत अर्जी निस्तारित करने का निर्देश दिया है। और उनके खिलाफ चल रहे मुकदमे को रद्द करने से इंकार कर दिया है। इन पर लाखो की अवैध रूप से खरीददारी कर घोटाले का आरोप है।

अपहृत किशोरी को पेश करने का एसएसपी प्रयागराज को निर्देश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने धूमनगंज थाना क्षेत्र प्रयागराज से अपहृत किशोरी को अदालत के समक्ष 30 सितम्बर को पेश करने का एसएसपी को निर्देश दिया है। किशोरी की मां ने हाईकोर्ट में बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दाखिल कर गुहार लगाई है कि उसकी बेटी को मोहल्ले का ही अनूप उर्फ सोनू बहला फुसला कर ले गया। इस मामले में सोनू के अलावा सतीश भारतीय, आकाश भारतीय, मीना देवी और सुनीता देवी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। इन लोगों ने मिलीभगत कर किशोरी को अपने पास छिपा रखा है। रिपोर्ट दर्ज होने के बावजूद पुलिस सुनवाई नहीं कर रही है। मामले की सुनवाई कर रहे न्यायमूर्ति जेजे मुनीर ने सभी आरोपियों को नोटिस जारी करते हुए सीजेएम इलाहाबाद के मार्फत तामील कराने का निर्देश दिया है। एसएसपी को निर्देश दिया है कि वह पीड़िता को 30 सितंबर को दिन में दो बजे अदालत के समक्ष हाजिर करे।

सीएमओ कार्यालय बलिया में अनियमितता पर छह माह में कार्रवाई का निर्देश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बलिया के सीएमओ कार्यालय में सरकारी धन के गबन के आरोप में सीनियर ट्रेजरी अधिकारी की रिपोर्ट में दोषी ठहराये गये लोगों के खिलाफ सरकार को छह माह में कार्रवाई पूरी करने का निर्देश दिया है। यह आदेश मुख्य न्यायाधीश गोविन्द माथुर तथा न्यायमूर्ति सिद्धार्थ वर्मा की खंडपीठ ने हरेन्द्र नाथ त्रिपाठी की जनहित याचिका को निस्तारित करते हुए दिया है। सरकारी अधिवक्ता ने कोर्ट को बताया कि जिन लोगों ने घपले का लाभ उठाया है, उन्हे फंड देने पर रोक लगा दी है और जांच रिपोर्ट पर कार्यवाही की जा रही है। जनहित याचिका में याची का कहना है कि उसने सीएमओ कार्यालय में व्यापक अनियमितताओं की शिकायत जिलाधिकारी बलिया से की। जिस पर जांच कमेटी गठित की गयी। कमेटी की रिपोर्ट में शिकायत की पुष्टि करते हुए कार्यवाई की संस्तुति की गयी है। बिना टेण्डर के एजेन्सियों को काम सौंपने और भारी धनराशि का बंदरबांट किये जाने के आरोपों को सही पाया गया है। इसके बावजूद कोई कार्यवाई नहीं की जा रही है। जिस पर यह याचिका दाखिल की गयी है। कोर्ट ने अपर महाधिवक्ता मनीष गोयल से इस सम्बंध में जानकारी भी मांगी थी।

आबकारी आयुक्त से स्कूलों के पास शराब की दूकान न खोलने की याचिका पर जवाब तलब

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने आबकारी आयुक्त प्रयागराज से पूछा है कि क्या सरकार की ऐसी कोई नीति है कि शिक्षण संस्थाओं के आसपास शराब की दुकानें न खोली जाय। अक्सर देखा जा रहा है कि स्कूलों के पास माडल वाइन शाप खुली हुई है। कोर्ट ने आबकारी आयुक्त से तीन हफ्ते में जवाब मांगा है। याचिका की अगली सुनवाई तीन नवम्बर को होगी। यह आदेश न्यायमूर्ति मनोज मिश्र तथा न्यायमूर्ति एस.के यादव ने विदेशी शराब के लाइसेन्सी महेश चंद्र की याचिका पर दिया है। याची का कहना है कि उसकी दूकान से 190 मीटर की दूरी पर दूसरी दूकान का ठेका देने का विज्ञापन निकाला गया है। जो नियमों का उल्लंघन है। सरकारी अधिवक्ता का कहना है कि दूकान 690 मीटर दूरी पर है। प्रतिबंधित एरिया से बाहर होने के कारण नियमों का उल्लंघन नहीं किया गया है। इस पर कोर्ट ने सरकारी नीति के साथ जवाबी हलफनामा मांगा है।

प्रयागराज हलचल

प्रयागराज बुधवार, 30 सितम्बर, 2020

मा0 मुख्यमंत्री ने वीडियों कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से विकास कार्यों के प्रगति की समीक्षा की

परियोजनाओं और विकास कार्यों को समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण ढंग से मानकों के अनुसार पूर्ण किया जाय

प्रयागराज। प्रदेश के मा0 मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा मंगलवार को वीडियों कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रयागराज मण्डल के अन्तर्गत आने वाले चारों जनपदों की परियोजनाओं एवं विकास कार्यों की समीक्षा की, जिसमें 50 करोड़ रुपए से अधिक लागत की परियोजनाओं, 50 करोड़ रुपए से अधिक लागत की सड़कों, प्रयागराज स्मार्ट सिटी योजना, अमृत योजना की प्रगति, खाद की उपलब्धता सहित अन्य योजनाओं एवं कोविड-19 के रोकथाम हेतु किये जा रहे कार्यों की बिंदुवार विस्तृत समीक्षा करते हुए मा0 मुख्यमंत्री जी ने मा0 सांसदों एवं मा0 विधायकगणों से भी निमार्णाधीन विकास परियोजनाओं की प्रगति के सम्बन्ध में फीडबैक भी प्राप्त किया। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जनप्रतिनिधियों से समन्वय बनाकर विकास कार्यों में तेजी लाते हुए परियोजनाओं और विकास कार्यों को समयबद्धता व गुणवत्तापूर्ण ढंग से मानकों के अनुसार पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा कि निर्धारित अवधि में कार्य के पूर्ण हो जाने पर लागत में कमी आती है और जनता को विकास

वीडियों कांफ्रेंसिंग के माध्यम से विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते मा0 मुख्यमंत्री व जुड़े मण्डलायुक्त सहित अन्य अधिकारीगण

योजनाओं का समय से लाभ मिलता है। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों के लिए शासन स्तर पर धनराशि की कोई कमी नहीं होगी।

उन्होंने कहा कि हमें कोरोना से लड़ना भी है और तेजी से विकास कार्य भी संचालित करने हैं। इसके दृष्टिगत वैश्विक महामारी कोरोना से बचाव के लिए पूरी सतर्कता व सावधानी अपनाते हुए विकास कार्यों को तीव्र गति से पूर्ण किया जाए। कोविड-19 से बचाव के लिए व्यापक जागरूकता कार्यक्रम संचालित कराए जाएं। ह्यदो गज की दूरी, मास्क है जरूरीह्व का पालन कराया जाए। इण्टीग्रेटेड कमाण्ड एण्ड कण्ट्रोल सेण्टर के साथ-साथ एल-1, एल-2, एल-3 कोविड हॉस्पिटल को निरन्तर सक्रिय रखा जाय। मा0 मुख्यमंत्री जी ने कहा कि परियोजनाओं की साप्ताहिक/पाक्षिक समीक्षा की जाए, जिससे उन्हें गुणवत्तापूर्ण ढंग से निर्धारित समय-सीमा में पूरा कराया जा सके। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों की भौतिक प्रगति से अवगत कराते हुए उपभोग प्रमाण पत्र समय से भेजा जाए। शासन स्तर पर भी प्रकरण लम्बित न रहे और स्वीकृत धनराशि समय से निर्गत की जाए। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि विकास परियोजनाओं के लिए भूमि की उपलब्धता आवश्यक है। इसलिए इससे जुड़े प्रकरणों में तत्काल निर्णय लेते हुए समाधान निकाला जाए। इससे सम्बन्धित कार्यवाही में विलम्ब न हो। सामुदायिक शौचालयों व ग्राम पंचायत भवनों के निर्माण कार्यों को प्राथमिकता पर पूर्ण कराये जाने के लिए निर्देशित किया।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि हर जनपद में ओ0डी0ओ0पी0 के तहत चयनित उत्पादों को बढ़ावा दिया जाए। इन उत्पादों के सम्बन्ध में हस्तशिल्पियों व कारीगरों को प्रशिक्षित करने, उत्पादों की ब्राण्डिंग, मार्केटिंग व प्रदर्शनी लगाए जाने की कार्यवाही भी की जाए। उन्होंने नदियों के जीर्णोद्धार तथा तालाबों के पुनरुद्धार कार्य को योजनाबद्ध तरीके से सम्पादित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गोआश्रय स्थलों में गोवंश के लिए चारे की सुचारु व्यवस्था सुनिश्चित करते हुए गोवंश का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण कराया जाए। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के आर्थिक पैकेज के तहत विकासखण्ड स्तर पर कृषि अवस्थापना की योजनाएं तैयार की जाएं, जिससे इस पैकेज का अधिकाधिक लाभ किसानों को मिले। इसके तहत खाद्यान्न भण्डारण हेतु गोदाम, कोल्ड स्टोरेज आदि के निर्माण को बढ़ावा दिया जाए, इससे कृषकों और कृषि क्षेत्र को लाभ होगा। किसानों को उर्वरकों की उपलब्धता में कोई असुविधा न हो। खाद की कालाबाजारी करने वाले तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए उर्वरक आपूर्ति की प्रभावी मॉनीटरिंग की जाए। समीक्षा के दौरान मा0 मुख्यमंत्री जी ने स्मार्ट सिटी, अमृत योजनान्तर्गत, सीवरेज, पेयजल एवं पार्कों के कार्यों में तेजी से प्रगति लाने के निर्देश दिए। मा0 मुख्यमंत्री जी ने कहा कि जनपद प्रयागराज मण्डल में पर्यटन की अपार सम्भावना है, इसको बढ़ाया दिया जाये। मा0 मुख्यमंत्री जी ने 01 अक्टूबर से शुरू हो रहे धान खरीद के सम्बंध में सभी क्रय केन्द्रों पर सभी आवश्यक व्यवस्थायें समय से करने के लिए निर्देशित किया। मा0 मुख्यमंत्री जी ने वर्ष 2024-25 में आयोजित होने वाले महाकुम्भ के बारे में अभी से कार्ययोजना बनाये जाने के लिए कहा है, जिससे कि भव्य एवं दिव्य तरीके से आयोजित किया जा सके।

मा0 उपमुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने प्रयागराज में किए गए विकास कार्यों की प्रशंसा की तथा मा0 मुख्यमंत्री जी से कहा कि प्रयागराज में अभी और विकास की आवश्यकता है। वीडियो कांफ्रेंसिंग के दौरान मा0 सांसद इलाहाबाद प्रो0 रीता बहुगुणा जोशी ने टोंस नदी पर नारीबारी के पास पुल निर्माण की मांग की तथा जनपद में बन रहे डिफेंस कोरिडोर को नैनी तक बढ़ाये जाने का आग्रह किया। मा0 सांसद फूलपुर श्रीमती केशरी देवी पटेल ने मा0 मुख्यमंत्री जी के कार्यकाल के दौरान प्रयागराज में हुए अभूतपूर्व विकास के लिए प्रशंसा की तथा धन्यवाद ज्ञापित किया। वीडियो कांफ्रेंसिंग के दौरान मा0 विधायक कोरांव श्री राजमणि कौल ने अपने क्षेत्र में एक कन्या महाविद्यालय बनाने की मांग रखी। मा0 विधायक मेजा श्रीमती नीलम करवरिया ने विकास कार्यों की तारीफ करते हुए सिरसा-हण्डिया के पास गंगा नदी पर पुल निर्माण की मांग की। मा0 विधायक शहर उत्तरी श्री हर्षवर्धन वाजपेयी ने गंगा एक्सप्रेस-वे का निर्माण कराये जाने का आग्रह मा0 मुख्यमंत्री जी से किया। मा0 विधायक फाफामऊ श्री विक्रमाजीत मौर्य ने श्रृंगवेरपुर में कराये गये विकास कार्यों की प्रशंसा की। उन्होंने मा0 मुख्यमंत्री जी से एक शवदाह गृह बनाये जाने की मांग की। उन्होंने कोविड काल में गरीबों के लिए की गयी राशन वितरण की उत्तम व्यवस्था की प्रशंसा की। मा0 मंत्री श्री सिद्धार्थ नाथ सिंह ने कानून व्यवस्था को बनाये रखने के लिए किए गये कार्यों की सराहना की व मा0 मुख्यमंत्री जी को इसके लिए धन्यवाद भी दिया। मा0 मंत्री जी ने स्मार्ट सिटी योजना के अन्तर्गत क्षेत्र को और बढ़ाये जाने के लिए कहा साथ ही उन्होंने मुण्डेरा मण्डी को और अधिक विकसित बनाने के लिए मा0 मुख्यमंत्री जी से कहा।

यमुनापार में पर्यटन और जल प्रबंधन की अपार संभावनाएं : शेखर

अलग जनपद बनने के उपरांत होगा यमुनापार का सर्वांगीण विकास

सामाजिक कार्यकर्ता समाज शेखर ने रामगढ़ धाम का किया भ्रमण

शंकरगढ़। यमुनापार के शंकरगढ़ ब्लाक के टंडन वन स्थित अति प्राचीन रामगढ़ धाम में प्रबन्ध समिति के मार्गदर्शक सामाजिक कार्यकर्ता समाज शेखर ने भ्रमण किया।इस दौरान निमार्णाधीन श्री राम मंच, मुख्य मंदिर के जीर्णोद्धार कार्य की प्रगति, रामगढ की बावली आदि का स्थलीय निरीक्षण व प्रगति से हुए रूबरू हुए।अध्यक्ष इंद्रभान सिंह, सह महासचिव सचिन सिंह, कोषाध्यक्ष सीताराम व मेला व्यवस्थापक सरदार जी, मुख्य मंदिर के जिणोर्धारक शंकर दयाल सिंह, प्रधान भारत सिंह, पूरन सिंह आदि ने सभी व्यवस्थाओं से अवगत कराया।वहीं साथ में आए वरिष्ठ साहित्यकार अशोक स्नेही जी, यमुनापार विकास समिति के अध्यक्ष गजेंद्र सिंह, प्रयागराज पर्यटन एवं सामाजिक विकास संस्थान के सचिव यमुनापार शरद मिश्र ,वरिष्ठ पत्रकार प्रमोद झा आदि के साथ जूही, सोनवर्षा, नारीबारी आदि के जलस्त्रोतों,पर्यटक स्थलों की प्रारंभिक विजिट हुई। क्षेत्र में जल भरण व भूजल रिचार्ज की स्थिति से अवगत हुए। वहीं नोबेल पुरस्कार हेतु नामित रही जमीनी समाजसेविका दुइजी अम्मा से मिलकर उनके स्वास्थ्य की स्थित से अवगत हुए और उनके सहयोग हेतु स्थानीय कार्यकर्ताओ को जिम्मेदारी दी गई। इसके पश्चात अपनी टीम के साथ समाज शेखर ने पटपरी नदी उदगम क्षेत्र व नारीबारी के प्रसिद्ध हनुमान मंदिर व तालाब की विजिट किया। समाज शेखर ने कहा कि जनसहयोग व लोक भागीदारी तथा सरकार के सहयोग से इस क्षेत्र को पानीदार बनाने में हम सब मिलकर अभूतपूर्व कार्य कर सकते है। जल प्रबंधन व पर्यटन की अपार संभावना इस क्षेत्र में है ।इस क्षेत्र को अलग जनपद बनाकर इसका सर्वांगीण विकास करके अंतिम व्यक्ति तक विकास की किरण पहुचाई जा सकती है।

भ्रमण के दौरान लोगों से बातचीत करते सामाजिक कार्यकर्ता समाज शेखर

अतीक के करीबियों के खिलाफ ध्वस्तीकरण की कार्रवाई जारी

बेली कछार में सरकारी जमीन पर आलीशान भवन बनवाया था शार्प शूटर

प्रयागराज। विकास प्राधिकरण की ओर से माफिया अतीक अहमद के गुर्गों की अवैध संपत्तियों पर विकास प्राधिकरण का बुलडोजर हर रोज चल रहा है। मंगलवार को बेली कछार में जब बुलडोजर पहुंचा तो लोग सकते में आ गए। घर से महिलाएं बाहर निकल कर नारेबाजी करना शुरू कर दी। प्रशासन इन महिलाओं को समझा-बुझाकर अलग किया इसके पश्चात अवैध निर्माण को ध्वस्त कर दिया। दरअसल इन दिनों बाहुबली सांसद माफिया अतीक के गुर्गों की अवैध संपत्तियों को ध्वस्त किया जा रहा है। मंगलवार को अतीक के खास शूटर राशिद का बेली रोड पर आलीशान मकान को विकास प्राधिकरण की टीम ने ध्वस्त कर दिया । बताया जा रहा है कि अतीक के इस गुर्गे ने राजकीय अस्थान की जमीन पर कब्जा करके आलीशान कोठी बना रही थी। मंगल मंगलवार की दोपहर जो विकास प्राधिकरण की टीम पुलिस बल के साथ बेली कछार में पहुंची तो गुर्गे की मकान ध्वस्त करने की बात इलाके में चारों तरफ फैल गई। काफी संख्या में महिलाएं नारेबाजी करने लगीं। और सड़क पर धरने पर बैठ गयीं। परिवार का आरोप है कि उनका घर को जबरदस्ती गिराया जा रहा है। उनको घर से बेघर किया जा रहा है। वहीं विकास प्राधिकरण के अधिकारियों का कहना है की इन लोगों ने सरकारी जमीन पर कब्जा कर अवैध निर्माण करवाया है। इसलिए प्रशासन इस घर को स्वस्थ कर रहा है।

अतीक के करीबी का मकान ध्वस्त करता जेसीबी

नौ थाइलैंड के जमाती जेल से रिहा

प्रयागराज। कोविड संक्रमण फैलाने और वीजा नियमों के उल्लंघन के आरोप में गिरफ्तार कर जेल भेजे गए नौ थाइलैंड के जमातियों को भी मंगलवार को जेल से रिहा कर दिया गया है। अधिवक्ता एस.ए नसीम ने बताया कि सात इंडोनेशियाई जमातियों के रिहा होने के बाद नौ थाइलैंड के जमातियों को चार माह बाद नैनी सेन्ट्रल जेल से रिहा कर दिया गया। हाईकोर्ट ने सभी नौ थाइलैंड के जमातियों की जमानत 24 अगस्त को ही मंजूर कर ली थी। लेकिन जिला कोर्ट के लगातार बंद रहने के चलते नैनी सेन्ट्रल जेल से रिहा नहीं किए जा सके थे। नैनी सेन्ट्रल जेल प्रशासन ने सभी विदेशी जमातियों को रिहा कर उनके अधिवक्ता एस.ए नसीम की सुपुर्दगी में सौंप दिया है। गौरतलब है कि दिल्ली के निजामुद्दीन में तबलीगी मरकज से लौटे नौ थाइलैंड के जमाती प्रशासन को बगैर सूचना दिए करेली के हेरा मस्जिद में ठहरे थे। जिनके खिलाफ प्रशासन से जानकारी छिपाने, कोरोना संक्रमण फैलाने और टूरिस्ट वीजा पर धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होने के आरोप में करेली थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। इनके विरुद्ध 269, 270 आईपीसी के साथ, 3 महामारी अधिनियम 1897 और 14बी व 14सी विदेशियों विषयक अधिनियम 1946 लगाया गया था। विवेचना के बाद सभी भारतीयों से 14बी और विदेशियों से 14सी की धारायें हटा ली गईं थी। पहले 24 मार्च को इन्हें क्वारेंटीन किया गया था। लेकिन बाद में 21 अप्रैल को नौ थाइलैंड, सात इंडोनेशियाई और 14 भारतीयों समेत कुल तीस जमातियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। हालांकि सभी 14 भारतीयों की जमानत पूर्व में ही हो चुकी है। जबकि इंडोनेशिया के सात जमाती भी 25 सितम्बर को ही नैनी सेन्ट्रल जेल से रिहा किया जा चुके हैं। दरअसल कोविड के चलते लगातार जिला कोर्ट के बन्द रहने के चलते नौ थाइलैंड के जमातियों मुहम्मद मदाली, हसन पाचो, सिद्धिपॉन, सुरस्क लेमुस्क, अरसेनन थोमया, अब्दुल बसिर, अब्दुलन मेमिंग, ओपदुन्न वहाब और रोमली कोले को अब रिहा किया जा सका है। जेल मैन्युअल के मुताबिक सभी विदेशियों को जेल प्रशासन द्वारा उनके अधिवक्ता एसए नसीम की सुपुर्दगी में दिया गया है।

गैंगरेप आरोपियों की तलाश में पुलिस ने की ताबड़तोड़ छापेमारी

नैनी। औद्योगिक क्षेत्र के तेंदुआवन गांव के समीप मटियार रोड के निकट बीते कुछ दिन पूर्व घूरपुर थाना क्षेत्र इलाके की रहने वाली एक किशोरी के साथ गैंगरेप की घटना को अंजाम दिया गया था। सोमवार को पीड़िता के रिश्तेदार की तहरीर पर आरोपियों के खिलाफ औधोगिक क्षेत्र थानें पर नामजद रिपोर्ट दर्ज की गई है।पुलिस ने दो आरोपियों को पहले ही हिरासत में लेकर पूछताछ करने में जुटी हुई है। जबकि अन्य आरोपियों की तलाश में पुलिस ने ताबड़तोड़ छापेमारी की कार्रवाई की, लेकिन वह पुलिस की पकड़ से दूर हैं।

अखण्ड भारत संदेश के लिए स्वामी श्री योगी सत्यम कियायोग आश्रम एवं अनुसंधान सस्थान झूंसी, प्रयागराज 211019 से प्रकाशित एवं रामा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1ए बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित।

मुद्रक/प्रकाशक

स्वामी श्री योगी सत्यम

पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से संबंधित विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा। आरएनआई नं0: UPHIN2001/9025

उमरे मुख्यालय में राजभाषा पखवाड़ा समापन समारोह एवं संगोष्ठी का आयोजन

प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय में महाप्रबंधक राजीव चौधरी द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर तथा दीप प्रज्ज्वलित कर राजभाषा पखवाड़ा समापन समारोह एवं संगोष्ठी का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों को संबोधित करते हुए राजीव चौधरी ने कहा कि हिंदी हमारी राष्ट्रीय अस्मिता एवं आत्मसम्मान की परिभाषा है। हिंदी उन राष्ट्रीय मूल्यों की भी प्रतीक है, जो हमें अपनी समृद्ध विरासत और राष्ट्रीय आंदोलन से प्राप्त हुए हैं। इन्हीं कारणों से हिंदी पूरे देश की संपर्क भाषा, जन भाषा के रूप में विविधता में एकता की भावना को परिलक्षित करती है। अपना लंबा सफर तय करते हुए हिंदी का सूचना तकनीक के विभिन्न माध्यमों की भाषा के रूप में तेजी से प्रसार हो रहा है। उत्तर मध्य रेलवे का कार्यक्षेत्र सुविख्यात हिंदी साहित्यकारों की जन्मस्थली अथवा कर्मस्थली रही है और इस क्षेत्र में हिंदी समृद्ध और परिष्कृत हुई है। श्री चौधरी ने गाँधी जी के जीवन, कर्म एवं दर्शन पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि हिंदी महात्मा गाँधी जी के स्वराज का वास्तविक प्रतीक है। उत्तर मध्य रेलवे में महात्मा गाँधी जी की 150वीं वर्षगाँठ को सामुदायिक सेवा दिवस के रूप में मनाया गया है और गत वर्ष 11 सितंबर से 2 अक्टूबर तक 'स्वच्छता ही सेवा' नाम से इसे एक मिशन के रूप में आयोजित किया गया। आगामी 2 अक्टूबर तक आयोजित किए जाने वाले विभिन्न स्वच्छता कार्यों एवं कार्यक्रमों के द्वारा हम माननीय प्रधान मंत्री जी के आवाहन पर राष्ट्रपिता के सपनों के भारत की ओर आगे बढ़ने की दिशा में कदम तय कर रहे हैं। श्री चौधरी ने कहा कि उत्तर मध्य रेलवे में राजभाषा के प्रयोग प्रसार में उल्लेखनीय कार्य किए जा रहे हैं। हमारे कार्यालय अपने आंतरिक कामकाज में राजभाषा अधिनियम एवं आदेशों के अनुसार इसका कार्यान्वयन कर रहे हैं तथा इसके तहत धारा 3 (3) के अनुपालन और अन्य महत्वपूर्ण मदों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। हमारे इन कार्यों की संसदीय राजभाषा समिति द्वारा भी सराहना की गई है।

इस अवसर पर समारोह के मुख्य अतिथि, उत्तर प्रदेश विधान सभा के माननीय अध्यक्ष, हृदय नारायण दीक्षित ने ऑनलाइन संबोधन में महात्मा गाँधी जीवन दर्शन एवं हिंदी पर विचार व्यक्त करते हुए कहा कि हिंदी संस्कृति एवं संस्कार की भाषा है। हिंदी राष्ट्रीय आंदोलन एवं स्वतंत्रता संग्राम के दिग्घोष की भाषा है। हिंदी अपनी शब्द-भाव-ज्ञान संपदा के बल पर पूरी दुनिया में छा गई है। भारत का समाजिक जीवन रिश्तों एवं संबंधों में संगठित है। हमारे विभिन्न रिश्तों और नातों के नाम और उनमें छिपी प्रेम, स्नेह और आशीष एवं आदर की भावनाएं एवं अनुभूतियां हिंदी और भारतीय भाषाओं में जिस तरह व्यक्त होती हैं, वैसी किसी अन्य भाषा में कभी संभव नहीं है। हिंदी और भारतीय भाषा की इसी परिकल्पना द्वारा हमारी भारतीय संस्कृति पूरी दुनिया को पृथ्वी माता और वसुधैव कुटुंबकम मानती है। सभी भारतीय भाषाएं अपने प्राचीन स्वरूप से जुड़ी हुई हैं और विभिन्न प्रांतों और भाषा भाषियों को आपस में जोड़ती हैं।

कार्यक्रम में उपस्थित उमरे महाप्रबंधक व अन्य

मुक्त विवि में बीएड काउंसलिंग बारह अक्टूबर से

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज बीएड एवं बीएड विशिष्ट शिक्षा सत्र 2020-21 की प्रवेश परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों की काउंसिलिंग 12 अक्टूबर से शुरू होगी। यह जानकारी बीएड एवं बीएड विशिष्ट शिक्षा प्रवेश परीक्षा के संयोजक प्रोफेसर पी.पी दुबे ने देते हुए बताया कि इस बार बीएड एवं बीएड विशिष्ट शिक्षा की प्रवेश परीक्षा में सफल हुए अभ्यर्थियों की काउंसिलिंग 12 से 14 अक्टूबर तक संचालित की जाएगी। बीएड एवं बीएड शिक्षा विशिष्ट शिक्षा की प्रवेश परीक्षा में शामिल अभ्यर्थियों की कट ऑफ मेरिट विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रदर्शित कर दी गई है। उन्होंने बताया कि बीएड प्रवेश परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों की काउंसिलिंग फाफामऊ स्थित उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि के सरस्वती परिसर में पुस्तकालय भवन के तृतीय तल पर स्थित परीक्षा हाल में होगी। इसी प्रकार बीएड विशिष्ट शिक्षा की प्रवेश परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों की काउंसिलिंग सरस्वती परिसर के शैक्षणिक भवन के द्वितीय तल पर स्थित कक्ष संख्या 202 में होगी। मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि काउंसिलिंग का विस्तृत विवरण विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर दिया गया है। इसमें शामिल होने के लिए बुलाए गए प्रवेश परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों को उनके पंजीकृत मोबाइल नंबर पर एसएमएस से सूचना प्रेषित की जा रही है। सफल अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट से काउंसिलिंग का लेटर डाउनलोड कर सकते हैं।

बोर्ड परीक्षा की तैयारियों को लेकर लक्ष्य बोध शिविर

प्रयागराज। रानी रेवती देवी सरस्वती विद्या निकेतन इंटर कॉलेज राजापुर प्रयागराज में मंगलवार को 10वीं तथा 12वीं के छात्र छात्राओं की बोर्ड परीक्षा की तैयारी के लिए लक्ष्य बोध शिविर का आयोजन गूगल मीट, फेसबुक लाइव के माध्यम से किया गया। विद्यालय के संगीताचार्य मनोज गुप्ता ने सोहनलाल द्विवेदी की रचना ह्यलहरों से डरकर नौका पार नहीं होती, कोशिश करने वालों की हार नहीं होतीह्व का सुंदर एवं भावपूर्ण गायन प्रस्तुत करके मंत्रमुग्ध कर दिया। वाणिज्य के आचार्य जटाशंकर तिवारी विज्ञान के आचार्य शिव नारायण सिंह एवं भाषा साहित्य पर मान सिंह यादव ने अपने-अपने विषयों के बारे में कैसे तैयारी करें, किस टॉपिक को विशेष तौर से अपना लक्ष्य बनाएं तथा इन सभी का अध्ययन किस प्रकार करें इसके बारे में विस्तार से अपने विचार रखे।

विद्यालय के प्रधानाचार्य बांके बिहारी पांडे ने लक्ष्य बोध शिविर के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस सत्र का लगभग 50 प्रतिशत समय बीत चुका है। शासन द्वारा विभिन्न कार्यों को करने की आंशिक अथवा पूर्ण अनुमति मिल चुकी है। लेकिन शिक्षण प्रक्रिया अभी प्रत्यक्ष रुप से संचालित ना होने के कारण ऑनलाइन लाइव कक्षाओं के माध्यम से ही संचालित हो रही है। इसका विपरीत प्रभाव आने वाली बोर्ड परीक्षाओं पर ना हो और विद्यार्थियों को तैयारी करने के लिए और अधिक प्रभावी किया जा सके इन्हीं उद्देश्यों की पूर्ति हेतु इस लक्ष्य बोध शिविर का आयोजन किया गया है। जिसमें विभिन्न विषयों की तैयारी के लिए संबंधित विषय के आचार्य ने आप सभी को अपने विषय की तैयारी संपूर्णता में कैसे हो आप सभी अपने प्रतिशतांक कैसे बढ़ा सकें, इत्यादि से संबंधित विषयों पर महत्वपूर्ण सुझाव दिया।

शिविर में रमेश चंद्र मिश्रा, कामाख्या प्रसाद दुबे, अशोक कुमार मौर्य, दिनेश कुमार शुक्ला, दीपक दयाल, प्रभात कुमार शर्मा, शिवजी राय, अनूप सिंह, शशि कपूर गुप्ता, सुनील कुमार गुप्ता, आनंद कुमार सिंह, वंशराज यादव, सत्य प्रकाश पांडे, शैलेंद्र यादव, जितेंद्र तिवारी, नागेंद्र शुक्ला सहित समस्त शिक्षक एवं शिक्षिकाएं उपस्थित रहे स शिविर का संचालन विभु श्रीवास्तव ने किया।

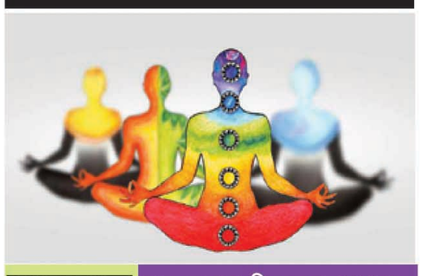

प्रयागराज बुधवार, 30 सितम्बर, 2020

क्रियायोग सन्देश

क्रियायोग विज्ञान प्राचीनतम एवं नवीनतम पूर्ण शिक्षा : उपनयन संस्कार

"क्रियायोग प्राचीनतम् आध्यात्मक शिक्षा है। इसी शिक्षा को प्राचीनकाल में उपनयन संस्कार कहा जाता था। उपनयन संस्कार को बारह वर्ष के बाद ग्रहण करने का विधान है। बारह वर्ष के पहले हर व्यक्ति शूद्र होता है। शास्त्रों में कहा गया है - 'जन्मतो जायतो शूद्रः'। जन्म से सभी शूद्र होते हैं। यहॉ पर शूद्र का अर्थ जाति से नहीं है। वे सारे व्यक्ति जिनका जीवन खाने-पीने, घूमने-टहलने और इन्द्रिय सुख भोग में केन्द्रित होता है, सभी शूद्र की तरह हैं। प्रारम्भिक जीवन में मस्तिष्क तथा अन्तःश्रावी ग्रन्थियों आदि के विकास के लिए शूद्र प्रवृत्ति का होना आवश्यक है। अगर बच्चों के हॅसने, खेलने, घूमने की उन्मुक्तता को रोक दिया जाय तो उनका विकास रूक जाएगा। इसलिए प्राचीनकाल में बारह वर्ष तक किसी भी प्रकार की बा य शिक्षा को ग्रहण करने का विधान नहीं था। बारह वर्ष के बाद उपनयन ग्रहण करने पर मनुष्य शूद्र से द्विज में रूपान्तरित हो जाता था। द्विज का अर्थ मनुष्य की उस अवस्था से है जब उसे सत् और असत् के बारे में ज्ञान हो जाता है। सत् असत् के बारे में ज्ञान प्राप्त होने पर सतमार्ग का अनुसरण करने पर मनुष्य वैदिक ज्ञान की प्राप्ति कर लेता है। सत, रज, तम गुणों से संबंधित ज्ञान ही वैदिक ज्ञान है। सत, रज, तम गुणों के भिन्न-भिन्न अनुपात से पत्थर, वनस्पति, जीव जन्तु, मानव, देवी-देवता आदि का निर्माण हुआ है। अतः अणु-परमाणु, वनस्पति, जीव-जन्तु, मानव व देवी-देवता आदि के बारे में ज्ञान प्राप्त करना ही वैदिक ज्ञान है। वैदिक ज्ञान की प्राप्ति होने पर मनुष्य विप्र अवस्था की प्राप्ति कर लेता है। विप्र से वैश्य और ब्राह्मण दो शाखा? प्रकट हुई। जो लोग वेदों का ज्ञान प्राप्त करके व्यापार आदि के द्वारा समाज की सेवा करने लगे, उन्हे वैश्य कहा गया। इसके अलावा अन्य लोग जो उपनयन संस्कार की विधि का और अभ्यास करके ब्रह्मज्ञान की प्राप्ति कर लिए, उन्हे ब्राह्मण कहा गया। ब्राह्मणों का वह वर्ग जो उपनयन संस्कार के अभ्यास के गहन अभ्यास द्वारा शरीर के अन्दर विद्यमान चक्रों पर अधिकार प्राप्त कर लिये, उन्हे चक्रवती राज कहा गया। इन्ही लोगों को क्षत्रिय व रार्जषि भी कहा गया है। क्षत्रिय का अर्थ है जो क्षत अर्थात कष्ट का त्राण करे। जो अपने ज्ञान व शक्ति के द्वारा जनता के कष्टों को दूर करता था, उसे क्षात्रय समाज कहा गया। शास्त्रों में भी कहा गया है कि ब्रामण लोगों ने क्षत्रियों का निर्माण किया। इसका अर्थ यह है कि ब्रामण अवस्था की प्रप्ति के बाद हम और गहन साधना के द्वारा क्षत्रिय अवस्था की प्राप्ति कर लोगों की सेवा और उनके कष्टों को दूर करने के लिए कृतसंकल्प होते थे। इस प्रकार शूद्र, द्विज, विप्र, ब्राह्मण आदि अवस्था? अलग-अलग डिग्री की तरह थी जो मनुष्य की साधना और उसके अन्तःकरण में प्रकाशित ज्ञान के आधार पर, उसे प्रदान की जाती थीं। कलिकाल में मानव मस्तिष्क का ज्ञान घटने पर जब लोग जन्म को कर्म से बड़ा मानने लगे तो जन्मना जाति प्रथा की परम्परा चल पड़ी। भारत राष्ट्र के निर्माण के लिए आज आवश्यक्ता है जाति व्यवस्था का सही रुप प्रकट हो और हमारे देश से जातिवाद का झगड़ा समाप्त हो। क्रियायोग का विस्तार होने पर जनता ज्ञानी होगी। ऐसा होने पर स्वतः कर्म को जन्म से बड़ा माना जाएगा और कर्म की महत्ता स्थापित होगी। ऐसी स्थिति में जाति व्यवस्था का सही रुप प्रकट होगा। क्रियायोग का अभ्यास करने पर मनुष्य शूद्र से द्विज, द्विज से विप्र, विप्र से ब्राह्मण और क्षत्रिय अवस्था की प्राप्ति कर अल्पकाल में पूर्ण विकसित और ज्ञानी हो जाता है। ऐसा होने पर उसके द्वारा देश की और मानवता की सच्ची सेवा होगी और राष्ट का उत्थान होगा।

File Photo

Kriyayoga – Ancient and Ever-new Education system (Upnayan Sanskar)

Kriyayoga Science is the principal subject in the educational system from ancient times. It was known as Upnayan Sanskar, the Guru-disciple education. This was the education that was adopted after the age of 12 years.

Before the age of 12 years, all persons are known as shudras. It is given in the scriptures, "janmo jayato shudra" which means that at birth all are shudras. Shudras does not refer to any caste of present system in India but rather to all those persons whose lives are centered around enjoying general activities of eating, outward sight-seeing and other sensory pleasures. At the initial stage of life, in order to enhance the development of the brain and endocrine glands within the body, it is necessary to be involved in outward activities. If we prevent children from participating in outward activities, then their development will be retarded. This is the reason children were prevented from any educational endeavors until the age of 12 years. After the age of 12 years, when the children adopted Upnayan Sanskar, they were uplifted from Shudra to Dwija (twice born).

Dwija is the stage where a human being learns to discriminate between reality (Truth) and non-reality. When one chooses the path of Truth, this person becomes learned in the Knowledge of Vedas. Knowledge of Vedas refers to the attributes (gunas) of Sattva (Positive), Rajas (Neutralizing) and Tamas (Negative). Due to the ratio of these attributes, all varieties of creations (stone, plants, animals, human beings and angels etc.) have come into existence. In other words, knowledge about all the multitude of creations is known as Vedic knowledge. This state of existence is referred to as Vipra (nearly perfect being).

File Photo